

经历神—是灵与话

G大调

3/4

5 | 1-1 | 2-2 | 3 3 2 | 1-- | 3 3 4 | 5-5 | 6 5 3 | 2-- |
 1 我神如今你已成那灵，藉你话语实化我灵里；

3 3 2 | 1-6 | 5 1 3 | 2-- | 2 5 4 | 3-1 | 2 1 7 | 1-- | 1
 运用我灵来接触你话，话中之灵我就能经历。

0 3 | 5 -5 | 6-5 | 5 3 2 | 1-- | 3 3 3 | 2-2 | 5 5 4 | 3-
 副主阿!你话离我并不远，在我口里也在我心里，

3 | 5-5 | 6-5 | 5 3 2 | 1-- | 2 5 4 | 3-1 | 2 1 7 | 1-- | 10 ||
 你灵藉话来作你实际，你我联调合并永为一。

1/3

经历神—是灵与话

G大调

3/4

5 | 1-1 | 2-2 | 3 3 2 | 1-- | 3 3 4 | 5-5 | 6 5 3 | 2-- |

2 你之所是及一切属性，全都具体实化基督里，

3 3 2 | 1-6 | 5 1 3 | 2-- | 2 5 4 | 3-1 | 2 1 7 | 1-- | 1

我享你灵、你话、你自己，经历中作我爱光、圣、义。

0 3 | 5 -5 | 6-5 | 5 3 2 | 1-- | 3 3 3 | 2-2 | 5 5 4 | 3-

副主阿!你话离我并不远，在我口里也在我心里，

3 | 5-5 | 6-5 | 5 3 2 | 1-- | 2 5 4 | 3-1 | 2 1 7 | 1-- | 10 ||

你灵藉话来作你实际，你我联调合并永为一。

2/3

经历神—是灵与话

G大调

3/4

5 | 1-1 | 2-2 | 3 3 2 | 1-- | 3 3 4 | 5-5 | 6 5 3 | 2-- |

3 住你话里就是住你里，我在爱里藉话享受你，

3 3 2 | 1-6 | 5 1 3 | 2-- | 2 5 4 | 3-1 | 2 1 7 | 1-- | 1

你住我里与我成为一，我活出你彰显你秘密。

0 3 | 5 -5 | 6-5 | 5 3 2 | 1-- | 3 3 3 | 2-2 | 5 5 4 | 3-

副主阿!你话离我并不远，在我口里也在我心里，

3 | 5-5 | 6-5 | 5 3 2 | 1-- | 2 5 4 | 3-1 | 2 1 7 | 1-- | 10 ||

你灵藉话来作你实际，你我联调合并永为一。

3/3